



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 605] नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 2, 1994/अग्रहायणा 11, 1916
No. 605] NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 2, 1994/AGRAHAYANA 11, 1916

सार्वजनिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले और

सांख्यिक वितरण मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 दिसम्बर, 1994

का.घा. 866(अ)—राष्ट्रपति, न्यायमूर्ति श्री एस.एस. चड्ढा (श्रीमानिबुद्ध) को समय-समय पर संगोष्ठित उपभोक्ता संरक्षण नियम 1987 के साथ पठित उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 में उल्लिखित शर्तों के अनुसार उनके द्वारा कार्यभार संभालने की तारीख से 1-6-1997, जब उनकी आयु 70 वर्ष हो जायेगी, तक अंशकालिक आधार पर राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद प्रतिकोष आयोग के सदस्य के रूप में नियुक्त करने हैं।

[संख्या 1/2/93-सी.पी.यु.]

जी. सुन्दरम, सचिव

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES
CONSUMER AFFAIRS & PUBLIC DISTRIBUTION

NOTIFICATION

New Delhi, the 2nd December, 1994

S.O. 866(E).—The President is pleased to appoint Shri Justice S. S. Chadha (Retd.), as a

2744 GI/94

Member of the National Consumer Disputes Redressal Commission on part-time basis from the date he assumes charge and upto 1-6-1997 when he attains the age of 70 years on the terms and conditions prescribed in the Consumer Protection Act, 1986 read with the Consumer Protection Rules, 1987 as amended from time to time.

[F. No. 1/2/93-CPU]

G. SUNDARAM, Secy

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 दिसम्बर, 1994

का.घा. 867(अ)—राष्ट्रपति, डा. श्रीमती धार. तामाराजाक्षी को समय-समय पर संगोष्ठित उपभोक्ता संरक्षण नियम, 1987 के साथ पठित उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 में उल्लिखित शर्तों के अनुसार, उनके द्वारा कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से पांच वर्षों की अवधि के लिये राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद प्रतिकोष आयोग का अंशकालिक आधार पर सदस्य के रूप में नियुक्त करने हैं।

[संख्या 1/2/93-सी.पी.यु.]

जी. सुन्दरम, सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 2nd December, 1994

S.O. 867.(E).—The President is pleased to appoint Dr. (Shrimati) R. Thamarajakshi as a Member of the National Consumer Disputes Redressal Commission on part-time basis for a period of five years from the date she assumes charge on the terms and conditions prescribed in the Consumer Protection Act, 1986 read with the Consumer Protection Rules, 1987 as amended from time to time.

[F. No. 1/2/93-CPU]
G. SUNDARAM, Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 दिसम्बर, 1994

क्र.सं. 868(अ)—भूतपूर्व खास और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (नागरिक पूर्ति विभाग) की दिनांक 10-4-1991 की अधिसूचना संख्या 9-5/87-सी.पी.यू. के अंतर्गत राष्ट्रपति, श्री बाई. कृष्ण की राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद प्रतिष्ठान आयोग के सदस्य के रूप में अंशकालिक आधार पर नियुक्ति को 16 जनवरी, 1995 तक, जब वे आयोग के सदस्य के पद से कार्यमुक्त हो जाएंगे, जारी रखने हैं।

[संख्या 1/2/93-सी.पी.यू.]
जी. सुन्दरम, सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 2nd December, 1994

S.O. 868.(E).—In continuation of the erstwhile Ministry of Food & Civil Supplies (Department of Civil Supplies) Notification No. 9/5/87-CPU dated 10-4-1991, the President is pleased to continue the appointment of Shri Y. Krishan as a Member of

the National Consumer Disputes Redressal Commission on part-time basis upto 16th January, 1995, when he shall cease to be a Member of the Commission.

[F. No. 1/2/93-CPU]
G. SUNDARAM, Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 दिसम्बर, 1994

क्र.सं. 869(अ)—राष्ट्रपति, श्री एस. पी. बागला, आई.ए.एस. (निवृत्ति) को राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद प्रतिष्ठान आयोग के वर्तमान सदस्य श्री बाई. कृष्ण के अपने पद से कार्यमुक्त होने की तारीख से 5 वर्षों की अवधि के लिये अंशकालिक आधार पर उक्त आयोग के सदस्य के रूप में नियुक्त करने हैं।

2. उनकी नियुक्ति समय-समय पर संगोष्ठित उपभोक्ता संरक्षण नियम, 1987 के साथ पठित उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 में उल्लिखित बातों के अधीन है।

[संख्या 1/2/93-सी.पी.यू.]
जी. सुन्दरम, सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 2nd December, 1994

S.O. 869.(E).—The President is pleased to appoint Shri S. P. Bagla, IAS (Retd.) as a Member of the National Consumer Disputes Redressal Commission on part-time basis for a period of five years from the date the present incumbent Shri Y. Krishan ceases to be a Member of the Commission.

2. The terms and conditions of his appointment are as prescribed in the Consumer Protection Act, 1986 read with the Consumer Protection Rules, 1987 as amended from time to time.

[F. No. 1/2/93-CPU]
G. SUNDARAM, Secy.